CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 09 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

जहाँ भी दो नदियाँ मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। कई पहाड़ों, जंगलों और खेतों पर गिरी बारिश के पानी के संगम से नदियाँ बनती हैं। एक दूसरे से मिलकर ये नदियाँ बड़ी हो जाती हैं। सबसे बड़ी नदी वह होती है जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज़्यादा संयोग होता है। अगर सागर से उलटी गंगा बहाएँ तो गंगा का स्रोत गंगोत्री या उद्गम गोमुख भर नहीं होगा। यमुनोत्री और तिब्बत में ब्रह्मपुत्र का स्रोत भी होगा, दिल्ली, बनारस और पटना जैसे शहरों के सीवर से निकलने वाला पानी भी होगा। बनारस या पटना में गंगा विशाल नदी है, लेकिन वहाँ उसका पानी मात्र शिव जी की जटा से निकलकर नहीं आता।

भारतीय परिवेश में असली संगम वे स्थान हैं, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियाँ अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। अगर हिंदी और उर्दू, संस्कृत और फारसी को बड़ी भाषाएँ माना जाए, तो यह तय है कि इनका संगम कई दूसरी भाषाओं से हुआ होगा। अगर किसी भाषा का दूसरी भाषाओं से मेल-मिलाप बंद हो जाता है तो उसका बहना रुक जाता है, ठीक उस नदी के जैसे, जिसमें दूसरी नदियों का पानी मिलना बंद हो जाता है।

I. हमारे देश में किसे तीर्थ कहने की परंपरा है?
   i. जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं
   ii. जहाँ दो तीर्थ मिलते हैं
   iii. जहाँ दो नदियाँ नहीं मिलती हैं
   iv. जहाँ दो तीर्थ नहीं मिलते हैं

II. सबसे बड़ी नदी किसे माना जाता है?

i. जो विशाल होती है

ii. जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज्यादा संयोग होता है

iii. जो अधिक पूजनीय होती है

iv. जो समुद्र में मिलती है

III. 'बनारस या पटना में गंगा विशाल नदी है लेकिन उसका पानी मात्र शिव की जटा से नहीं आता।' - के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

i. गंगा अनेक नदियों और जल स्त्रोतों का मिलाजुला रूप हैं

ii. गंगा अनेक समुद्रों का मिलाजुला रूप है

iii. गंगा में अनेक नदियाँ आकर मिलती हैं

iv. गंगा एक विशाल नदी है

IV. गद्यांश में असली संगम किसे माना गया है और क्यों?

i. जहाँ अनेक नदियाँ आकर मिलती हैं

ii. जहाँ अनेक झरने मिलते हैं

iii. जहाँ नदियाँ समुद्र में मिलती हैं

iv. जहाँ एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं

V. भाषाओं का विकास कब अवरुद्ध होता है?

i. जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद नहीं होता है

ii. जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद हो जाता है

iii. जब अनेक नदियों का मेल अवरुद्ध हो जाता है

iv. जब अनेक नदियों का मेल अवरुद्ध नहीं होता है

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है।

मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।

अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो हमारा ज़माना बदलेगा। खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें

स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा

I. ताजमहल को किसकी धरोहर बताया गया है?
   i. भारत की अंतरात्मा की
   ii. भारत के नागरिकों की
   iii. भारत के नेताओं की
   iv. भारत के युवाओं की

II. गांधीवादी आज किस तरह के गांधी को चाहते हैं?
   i. जो असुविधाजनक हैं
   ii. जो सुविधाजनक है
   iii. जो सुविधाजनक नहीं है
   iv. इनमें से कोई नहीं

III. गद्यांश के अनुसार आज विडंबना क्या है?
   i. हमारी पीड़ा का शोषण से उत्पन्न होना
   ii. हमारी पीड़ा का उत्पन्न होना
   iii. शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
   iv. स्वयं पर विश्वास न रखना

IV. राजनीतिज्ञ किस गांधी की आकांक्षा रखते हैं?
   i. जो सुविधाजनक है
   ii. जो असुविधाजनक है
   iii. जो सुविधाजनक नहीं है
   iv. जो और भी अधिक सुविधाजनक है

V. खुद पर स्वराज पाने के लिए क्या आवश्यक है?
   i. अपनी भूलें स्वीकार करना
   ii. खुद पर विश्वास रखना
   iii. ज़माना बदलना
   iv. खुद को सुधारना

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तू माता हम बेटे,
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे।
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली।
भाषा, देश, प्रदेश भिन्न है, फिर भी भाई-भाई,

भारत की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी।

सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं,
दुर्दिन में भी साथ-साथ जागते, पौरुष धोते हैं।
तुम हो शस्य-श्यामला, खेतों में तुम लहराती हो,
प्रकृति प्राणमयी, साम-गानमयी, तुम न किसे भाती हो।
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती?
गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गाई जाती?

I. काव्यांश में भारत और भारतीयों में रिश्ता बताया गया है?
   i. माँ - बेटे का
   ii. माँ - बेटी का
   iii. माँ - बाप का
   iv. माँ - पत्नी का

II. 'तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे' में निहित अलंकार का नाम बताइए।
   i. यमक अलंकार
   ii. अनुप्रास अलंकार
   iii. श्लेष अलंकार
   iv. पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

III. माता का शस्य-श्यामला रूप कहाँ देखा जा सकता है?
   i. धरती पर
   ii. नदियों में
   iii. खेतों में
   iv. देश में

IV. काव्यांश के आधार पर भारतीय संस्कृति की विशेषता है -
   i. समानता में एकता
   ii. समता में एकता
   iii. एकता में अनेकता
   iv. अनेकता में एकता

V. काव्यांश में वर्णित भारत माता की क्या विशेषता बताई है?
   i. अदम्य बलशाली
   ii. माता
   iii. पुत्र से युक्त
   iv. भिन्न प्रदेश

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।

I. भाग्यवादी सफलता के बारे में क्या मानते हैं?
   i. भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।
   ii. कर्म करने पर सफलता मिलती है।
   iii. परिश्रम करने पर सफलता मिलती है।
   iv. मेहनत करने पर सफलता मिलती है।

II. धरती और आकाश किसके कारण झुकने को विवश हुए हैं?
   i. भाग्य के कारण
   ii. आंधी के कारण
   iii. परिश्रम के कारण
   iv. तूफ़ान के कारण

III. काव्यांश में निहित संदेश क्या है?
   i. भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।

ii. परिश्रम का सहारा त्याग कर भाग्य पर भरोसा करना।

iii. भाग्य और परिश्रम का सहारा लेना।

iv. भाग्य और परिश्रम का त्याग करना।

IV. 'नर - समाज' में कौनसा समस है?

i. अव्ययीभाव समास

ii. द्वंद्व समास

iii. तत्पुरुष समास

iv. द्विगु समास

V. भाग्यवाद को किसका हथियार कहा गया है?

i. दूसरों का शोषण करने का अस्त्र

ii. दूसरों की सहायता करने का अस्त्र

iii. दूसरों की सेवा करने का अस्त्र

iv. सभी विकल्प सही हैं

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक _____ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?

a. तीन

b. चार

c. एक

d. दो

ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -

a. भाववाच्य

b. ये सभी

c. कर्तृवाच्य

d. कर्मवाच्य

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -

a. कर्मवाच्य

b. भाववाच्य

c. संज्ञावाच्य

d. कर्तृवाच्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना _____ कहलाता है।

a. अर्थ

b. शब्द

c. भाव

d. पद परिचय

ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दुःख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

फादर को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके 'लिए इस ज़हर का विधान क्यों हो? यह सवाल किस ईश्वर से पूछे? प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था, वह देह की इस यातना की परीक्षा उम्र की आखिरी देहरी पर क्यों दे? एक लम्बी, पादरी के सफेद चोगे से ढकी आकृति सामने हैं-गोरा रंग, सफेद झाँई मारती भूरी दाढ़ी, नीली आँखें-बाँहें खोल गले लगाने को आतुर। इतनी ममता, इतना अपनत्व इस साधु में अपने हर एक प्रियजन के लिए उमड़ता रहता था। मैं पैंतीस साल से इसका साक्षी था। तब भी जब वह इलाहाबाद में थे और तब भी जब वह दिल्ली आते थे। आज उन बाँहों का दबाव मैं अपनी छाती पर महसूस करता हूँ।

I. फादर को जहरबाद से क्यों नहीं मरना चाहिए था?

i. क्योंकि उन्हें प्रभु में आस्था नहीं थी

ii. क्योंकि वे सिर्फ अपने बारे में सोचते थे

iii. क्योंकि उनके मन में सब के लिए प्रेम और वात्सल्य था

iv. क्योंकि उनकी यही सजा थी

II. लेखक ईश्वर से कौन-सा सवाल पूछना चाहते थे?

i. ईश्वर में आस्था रखने वालों की दुर्दशा

ii. ईश्वर के अस्तित्व के विषय में

iii. फादर की मृत्यु के विषय में

iv. अपने विषय में

III. फादर का व्यक्तित्व कैसा था?

i. लंबी चोगे से ढकी हुई आकृति

ii. भूरी दाढ़ी और नीली आँखे

iii. मिठास भरा व्यक्तित्व

iv. ममता और अपनत्व भरा

IV. लेखक ने फादर के साथ कितना समय बिताया था?

i. कुछ साल

ii. पैंतीस साल

iii. पैंतीस दिन

iv. पैंतीस महीने

V. फादर पहले कहाँ रहते थे?

i. लखनऊ

ii. दिल्ली

iii. मुंबई

iv. आगरा

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. चश्मेवाले को देखे बिना हालदार साहब ने उसे क्या समझा था ?

a. गृहस्थ

b. अनाथ

c. फ़ौज का सेनानी

d. वीर

ii. फादर बुल्के की उपस्थिति की तुलना किस वृक्ष से की गई है ?

a. गूलर

b. पीपल

c. देवदार

d. बरगद

iii. फादर कामिल बुल्के से बात करना लेखक को कैसा लगता था?

a. निर्मल जल में स्नान जैसा

b. कर्म के संकल्प से भरने जैसा

c. मधुर संगीत सुनने जैसा

d. पारिवारिक हँसी-ठिठोली जैसा

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी, दिखाई मत देना।

I. माँ ने अपनी बेटी को किस पर रीझने से मना किया?

i. वस्त्रों पर

ii. गहनों पर

iii. अपने रूप-सौन्दर्य पर

iv. ससुराल पर

II. स्त्री जीवन के बंधन क्या हैं?

i. ससुराल

ii. पति

iii. वस्त्र-आभूषण

iv. माँ

III. लड़की जैसी दिखाई न देने का क्या भाव हैं?

i. बंधन

ii. सरलता

iii. आत्मविश्वास का अभाव

iv. अपनी कमजोरी को न दिखाना

IV. लड़की होना से माँ उसे क्या समझाना चाहती है?

i. शिष्ट और व्यवहारकुशल होना

ii. कमजोर होना

iii. गृहस्थी संभालना

iv. कामकाजी होना

V. पानी शब्द का पर्यायवाची है:

i. जल

ii. जलज

iii. शीतल

iv. नीरजा

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. परशुरामजी का _____ इतना भयंकर था कि उसमें गर्भ के भीतर स्थित बालकों को मारने की क्षमता है।

a. धनुष

b. धनुष- बाण

c. फरसा

d. ये सभी

ii. 'वस्त्र' का पर्यायवाची बताएं-

a. आवास

b. चीर

c. कामना

d. चिर

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. बालगोबिन भगत मौत को दुःख का कारण नहीं मानते थे। स्पष्ट कीजिए |

ii. लखनवी अंदाज़ पाठ के अनुसार बताइए कि नवाब साहब ने खीरे किस उद्देश्य से ख़रीदे थे? वे कितने खीरे थे और लेखक के उस डिब्बे में दाखिल होते समय वे किस स्थिति में रखे रहे? इस दृश्य से किस बात का अनुमान किया जा सकता है?

iii. हालदार साहब को पानवाले की कौन-सी बात अच्छी नहीं लगी और क्यों?

iv. फ़ादर बुल्के की अंतिम-यात्रा पर उमड़ती हुई भीड़ और तरल आँखों को देखकर आपके मन में क्या आश्चर्य होता है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. **कन्यादान** कविता में बेटी को अन्तिम पूँजी क्यों कहा गया है?

ii. **अट नहीं रही है** कविता में फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?

iii. परशुराम की बात सुनकर राम क्या प्रयास करते हैं? इससे राम के किन गुणों का पता चलता है?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. बचपन में लेखक को अपने अध्यापक से खरी-खरी क्यों सुननी पड़ी? माता का अँचल पाठ के आधार पर बताइए।

ii. जार्ज पंचम की नाक पाठ को दृष्टि में रखकर बताइए कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि नई दिल्ली में सब था... सिर्फ नाक नहीं थी।

iii. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं? जीवन मूल्यों की दृष्टि से लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

    i. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - आवश्यकता
    - पोषक भोजन
    - लाभकारी सुझाव

    ii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - बचत का अर्थ एवं स्वरूप
    - दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
    - वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

    iii. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - समय ही जीवन है
    - समय का सदुपयोग
    - समय के दुरुपयोग से हानि

15. उत्तराखण्ड आपदा में स्वयं भोगी कठिनाइयों का वर्णन करने हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

OR

अनजाने में हुई भूल के लिए क्षमा माँगते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

16. प्रकृति की रक्षा से धरती और मानव-जाति की रक्षा संभव है - इस विषय पर लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

OR

आधुनिक तकनीक से तैयार **घड़ी** का विज्ञापन तैयार कीजिये।

17. प्रधानाचार्य जी द्वारा कोविड-19 माहामारी के कारण विद्यालय बंद रहने हेतु 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

दीपावली के अवसर पर मित्र को शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 09 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं
   II. (ii) जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज्यादा संयोग होता है
   III. (i) गंगा अनेक नदियों और अन्य जलस्रोतों का मिला-जुला रूप है
   IV. (iv) जहाँ एक से अधिक भाषाएँ एकत्रित होती हैं
   V. (ii) जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद हो जाता है

OR

   I. (i) भारत की अंतरात्मा की
   II. (ii) जो सुविधाजनक है
   III. (iii) शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
   IV. (iv) जो और भी अधिक सुविधाजनक है
   V. (i) अपनी भूलें स्वीकार करना
2. I. (i) माँ - बेटे का
   II. (ii) अनुप्रास अलंकार
   III. (iii) खेतों में
   IV. (iv) अनेकता में एकता
   V. (i) अदम्य बलशाली

OR

   I. (i) भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।
   II. (iii) परिश्रम के कारण
   III. (i) भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
   IV. (ii) द्वंद्व समास
   V. (i) दूसरों का शोषण करने का अस्त्र
3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (b) तीन

   Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (c) श्रृंगार रस

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।

   ii. (c) उत्साह

   Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।

   iii. (c) रति

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।

   iv. (d) स्थायी भाव

   Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

   v. (d) करुण रस

   Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।

7. I. (iii) क्योंकि उनके मन में सब के लिए प्रेम और वात्सल्य था

   II. (i) ईश्वर में आस्था रखने वालों की दुर्दशा

   III. (iv) ममता और अपनत्व भरा

   IV. (ii) पैंतीस साल

   V. (i) लखनऊ

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

   i. (c) फ़ौज का सेनानी

   Explanation: कैप्टेन नाम से ही फ़ौज के सेनानी की अनुभूति होती है इसलिए हालदार साहब ने चश्मेवाले को फ़ौज का सेनानी समझा होगा।

   ii. (c) देवदार

   Explanation: लेखक को फादर की उपस्थिति देवदार की छाया के समान लगती थी ।

   iii. (b) कर्म के संकल्प से भरने जैसा

   Explanation: लेखक को फादर कामिल बुल्के से बात करना कर्म के संकल्प से भरने जैसा लगता था।

9. I. (iii) अपने रूप सौन्दर्य पर

   II. (iii) वस्त्र और आभूषण

   III. (iv) अपनी कमजोरी न दिखाना

   IV. (iii) शिष्ट और व्यवहार कुशल होना

   V. (i) जल

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

    i. (c) फरसा

    Explanation: फरसा परशुराम जी का प्रमुख शस्त्र है जिसकी विशेषता का उल्लेख तुलसीदास ने किया है।

ii. (b) चीर

Explanation: वस्त्र-कपड़ा, वसन, चीर, कर्पट ।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. बाल गोविंद भगत अपने इकलौते बेटे के देहांत के बाद अपनी पतोहू को रोने के बदले उत्सव मनाने की बात कहते हैं। उनका विचार था कि उनके बेटे की आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। विरहिणी अपने प्रेमी से जा मिली है। अब इससे बढ़कर और अधिक आनंद की बात क्या हो सकती है? उनका मानना था कि मृत्यु दुख का कारण नहीं है बल्कि मृत्यु आत्मा परमात्मा का अंश है। वह सदा परमात्मा से मिलने के लिए तड़पती है। जब व्यक्ति मरता है तो आत्मा परमात्मा से मिल जाती है उसकी तड़पन समाप्त हो जाती है, इसलिए भगत जी अपनी पतोहू से शोक ने मना कर उत्सव मनाने की बात कहते हैं।

ii. नवाब साहब ने संभवतया खीरे सफ़र में समय व्यतीत करने के उद्देश्य से खरीदे होंगे | खीरे दो थे | लेखक के उस डिब्बे में दाखिल होते समय वे बर्थ पर एक साफ़ तौलिए पर रखे हुए थे | इस दृश्य से नवाब साहब की नजाकत और लखनवी संस्कृति का अनुमान लगाया जा सकता है |

iii. हालदार साहब द्वारा कैप्टन के बारे में पूछने पर पानवाला कहता है कि कैप्टन तो लंगड़ा है, वह फ़ौज में क्या जाएगा | वह तो पागल है, पागल | पानवाले के द्वारा कैप्टन का इस प्रकार मजाक उड़ाया जाना हालदार साहब को अच्छा नहीं लगा क्योंकि शारीरिक रूप से असमर्थ होते हुए भी कैप्टन के मन में नेताजी के प्रति सम्मान की भावना थी | नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति उसे आहत करती थी इसलिए वह उस पर चश्मा लगा देता था |

iv. फादर बुल्के की अंतिम यात्रा में दूर दूर से लोग शामिल होने आए। उनकी मृत्यु का दुखद समाचार जिसने भी सुना वह अपने को रोक न सका। शव यात्रा के इस जन सैलाब को देखकर और रोती हुई प्रत्येक आंखों को देखकर लेखक के मुंह से निकल पड़ा कि नम आंखों को गिनना स्याही फैलाने जैसा है। उनकी इस शव यात्रा में जैनेंद्र कुमार, विजेंद्र कुमार,अजीत कुमार, डॉ निर्मला जैन, मसीही समुदाय के लोग, पादरी गण, साधुओं द्वारा धारण किए जाने वाले गेरूए वस्त्र पहने इलाहाबाद से प्रसिद्ध विज्ञान शिक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश और डॉक्टर रघुवंश जैसे महान शिक्षाविद शामिल हुए। इस भीड़ को देख कर अनुमान लगाया जा सकता है कि इस व्यक्ति से लोग कितने प्रभावित थे। फादर का अपने प्रिय जनों के प्रति प्रेम,स्नेह, ममता और अपनत्व की भावना लोगों को अपनी ओर खींच लाई ,जो किसी आश्चर्य से कम न था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'कन्यादान' कविता में बेटी को अंतिम पूँजी इसलिए कहा गया है कि वह माता-पिता की लाड़ली होती है। उसके ससुराल जाने के बाद माँ बिलकुल खाली हो जाएगी। बेटी पर उसका सारा ध्यान केन्द्रित है। यह उसके जीवन की संचित पूँजी है। जब वह कन्यादान कर देगी तो उसके पास कुछ न बचेगा | माँ अपनी बेटी के सबसे निकट और सुख-दुख की सहयोगिनी होती है। इसी से माँ उसे अपनी अंतिम पूँजी मानकर अत्यंत भावुक हो जाती है।

ii. फागुन में सर्वत्र मादकता सुन्दरता छाई रहती है। प्राकृतिक शोभा अपने पूर्ण यौवन पर होती है। पेड़-पौधें नए पत्तों, फल-फूलों से लद जाते हैं, हवा सुगन्धित हो उठती है। आकाश साफ-स्वच्छ होता है। पक्षियों के समूह आकाश में विहार करते दिखाई देते हैं। बाग-बगीचों और पक्षियों में उल्लास भर जाता हैं। प्रकृति ईश्वरीय शोभा को ले कर प्रकट हो जाती है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है। यह महीना तो अपार सुखदायी बन कर सबके मन को मोह लेता है।

iii. परशुराम की बात सुनकर श्रीराम उन्हें शांत करने का प्रयास करते हैं | इससे राम के शांत स्वभाव, विनम्रता, ऋषि मुनियों के प्रति अपार श्रद्धा तथा मर्यादाशीलता आदि गुणों का पता चलता हैं और श्री राम जानते हैं कि भगवान परशुराम को शीतल वचनों के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. बचपन में लेखक को अध्यापक से खरी-खरी इसलिए सुननी पड़ी क्योंकि उन्होंने अपने साथी बैजू और अन्य मित्रों के साथ मिलकर गाँव के वृद्ध व्यक्ति मूसन तिवारी को चिढ़ाया था | इन सबमें बैजू अत्यंत ढीठ था | उसने मस्ती करते हुए मूसन तिवारी को 'बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा' कहकर चिढ़ाया। उसकी देखादेखी अन्य बच्चों ने उस पंक्ति को दुहराना शुरू कर दिया | परिणाम यह हुआ कि मूसन तिवारी अपमान का बदला लेने के लिए उनके स्कूल में पहुँच गए और बच्चों को खूब डाँट लगवाई |

ii. इस कथन के द्वारा यह भाव प्रकट किया है कि भारतीयों ने स्वतंत्रता तो प्राप्त कर ली, लेकिन मानसिक रूप से वे अभी भी पराधीन बने हुए हैं। अंग्रेज़ व अंग्रेज़ी भाषा के आगे वे स्वयं को निम्न कोटि का समझते हैं। उनमें वह आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और निडरता जैसे गुणों का विकास ही नहीं हुआ | ये सभी गुण स्वतंत्र देश के नागरिक में होते है। वे अब भी हीनता के शिकार थे। वे अभी अपने मन को स्वतंत्र नहीं कर पाए |

iii. आज की पीढ़ी प्रकृति के साथ निरंतर छेड़छाड़ कर रही है। उसका हस्तक्षेप प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ रहा है। प्रकृति माँ के समान हमारा पालन-पोषण करती है। उसी प्रकृति से हम अधिक-से-अधिक पाना चाहते हैं इसलिए हम उसका अधिकाधिक दोहन कर रहे हैं।

आज की पीढ़ी अधिक-से-अधिक पेड़ों को काटकर वनों का सफाया कर रही है जिसके कारण जंगली जीवों का जीवन संकट में पड़ गया है। शहर कंक्रीट के जंगल में तबदील होते जा रहे हैं। सभी स्वार्थी बन धरती का एक-एक कोना छीनने में लगे हैं। वैज्ञानिक उपकरणों से अनेक दूषित हवाएँ वायु को प्रदूषित कर धरती का तापमान बढ़ा रही हैं। इससे मौसम चक्र बिगड़ गया है । इसे शीघ्रता से रोकना होगा अन्यथा धीरे-धीरे मानव का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। नई पीढ़ी को प्रकृति की तरफ़ मुड़ना होगा, वनों व जंगली जीवों को संरक्षण प्रदान करना होगा। पूर्ण रूप से प्राकृतिक जीवन जीना होगा। विज्ञान का उचित और विवेकपूर्ण प्रयोग करना होगा। प्रकृति से अधिक पाने की लालसा छोड़नी होगी तभी प्रकृति माँ बनकर हमारा पालन-पोषण करेगी अन्यथा मानव ही नहीं, समस्त प्राणियों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा और वह दिन दूर नहीं जब धरती पर जीवन एक स्वप्न बन के रह जाएगा।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

ii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।
जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।
हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

iii. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।
जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

15. ग्राम पोस्ट -पटना, बिहार

२४ मार्च २०१९

प्रिय मित्र गोविन्द

सस्नेह नमस्कार

आशा है आप सपरिवार सकुशल होंगे। हमारा तुम्हारा बहुत दिनों से संपर्क नहीं था किन्तु मैं तुम्हें अपने साथ घटी एक दुर्घटना के विषय में बताना चाहता हूँ कि अभी पिछले वर्ष मैं अपने माता-पिता के साथ चार धाम की यात्रा पर गया था और उत्तराखण्ड में जो भयंकर त्रासदी हुई उसका भोक्ता बना। मैं माता-पिता के साथ केदारनाथ धाम पहुँचा ही था कि 16 जून को बादल फट जाने से उत्तराखण्ड की नदियों में भयंकर जल प्लावन हो उठा और उसने पूरे क्षेत्र को तहस-नहस कर दिया मैं तो ईश्वर की कृपा और स्थानीय लोगों की सहायता से माता-पिता के साथ सकुशल बच गया। ऐसी विषम परिस्थितियों में पुजारी जी ने मुझे अपने घर ठहराया था इसलिए प्राण रक्षा हो गयी । बाद में जो भयंकर त्रासदी टीवी, समाचार पत्रों में देखी-पढ़ी उससे तो यही प्रतीत हुआ कि हम सच में भाग्यशाली ही थे जो बच पाए हैं।

दो दिनों तक मैं वहीं फँसा रहा क्योंकि वापस आने के सारे रास्ते बन्द हो चुके थे। किन्तु सरकार ने तत्परता दिखाई और उस त्रासदी में फँसे लोगों के लिए राहत कार्य शुरू कर दिया तभी सेना का हेलीकाप्टर वहाँ पहुँचा तब उसकी सहायता से हम तीनों बच पाए और देहरादून तक आ सके। वहाँ से मुझे अपने नगर के लिए रेल मिल गई और मैं सकुशल घर आ गया किन्तु कई दिनों तक मै वहाँ के दृश्य नहीं भूल पाया ।

हम जब मिलेंगे तब विस्तार से चर्चा होगी और मैं तुम्हें अपना अनुभव बताऊँगा । शेष फिर-

आपका मित्र

राहुल

OR

विजय नगर,

नई दिल्ली

१६ मार्च २०१९

आदरणीय पिताजी

सादर चरण-कमल स्पर्श।

आशा है आप सकुशल होंगे ? आप पिछले माह मुझसे मिलने भी नहीं आए | आज मैं आपसे कुछ बताना चाहता हूँ कि मुझसे अनजाने में एक गलती हो गयी है। वह यह है कि आपने जो घड़ी मुझे पुरस्कार में दी थी वह कहीं खो गई है | मैंने उसे बहुत ढूँढा लेकिन वह नहीं मिली । मुझे पता है कि वह बहुत कीमती थी और उसे आपने बड़े चाव से मेरे लिए खरीदा था ।

मैं अत्यन्त शर्मिन्दा होकर यह क्षमा याचना पत्र लिख रहा हूँ। मुझसे अनजाने में यह भूल हुई जिसके कारण मैं अत्यन्त लज्जित हूँ। इस गलती के कारण मैं आपके सामने भी नहीं आ पा रहा हूँ।

अतः विनम्र प्रार्थना है कि अनजाने में हुई गलती के लिए मुझे क्षमा दान दें। मैं आपका आभारी रहूँगा। शेष कुशल हैं। माताजी को सादर चरण स्पर्श तथा छोटे भाई-बहिनों को हार्दिक स्नेह स्वीकार हो।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

विनोद सिंह

16.

प्रकृति की रक्षा

सूरज की किरणें जब पृथ्वी पर पड़ती हैं,
तभी होता है सवेरा।
पेड़ लगाओ धरती बचाओ
तभी इस पर कर पाओगें बसेरा।
धरती, आकाश, जल और जंगल,
इसकी रक्षा हम सबका मंगल।
आओ पर्यावरण को शुद्ध बनायें,
सबका जीवन स्वस्थ बनायें।

OR

रोलेक्स की घड़ियाँ

प्रथम १००० क्रेताओं को १०% की विशेष छूट !

जानी-मानी प्रतिष्ठित घड़ी निर्माता कम्पनी पेश करती है आधुनिक तकनीक से लैश, समय ठीक करने और सेल बदलने के झंझट से मुक्ति । जो शरीर के तापमान से स्वतः चालित होती हैं। ये स्वतः ही समय और दिनांक ठीक करने में सक्षम हैं। बारिश में भीगने या पानी में गिरने पर भी खराब होने का कोई भी डर नहीं। दिखने में आकर्षक और वाज़िब दाम ।

पता

२५/३ गौरव मार्किट

वैशाली नगर ,जयपुर

दूरभाष- ९००१२५####

17.

संदेश

5 अक्टूबर 2020

प्रातः 6 बजे

प्रिय छात्रों

कोविड-19 महामारी के कारण, शिक्षा निदेशालय के आदेश क्रमांक 125 दिनांक 05/10/2020 के अनुसार विद्यालय दिनांक 31/10/2020 तक बंद रहेंगे। आप सभी अपने घरों में स्वस्थ और सुरक्षित रहें। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सभी सावधानियों व नियमों का पालन करें। आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

प्रधानाचार्य

रामेश्वरम विद्यालय

OR

संदेश

13 नवंबर 2020

रात्रि 10 बजे

प्रिय मित्र!

कल प्रकाश पर्व दीपावली का पावन त्योहार है। झिलमिल दीपों की रोशनी से प्रकाशित ये दिवाली आपके परिवार में सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता लेकर आए। आप पर सदैव लक्ष्मी-गणेश की कृपा बनी रहें। इस पावन पर्व पर मेरे परिवार की ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

राठौर परिवार